

धर्मरत्न बज्जचार्य सुख श्री महाविहार DH45

6745/11

न कुरु क्लानावति हूं॥ॐ अमृतममृतं यत्तु अमृतं वनि हूं॥ॐ वज्रं वज्रं वज्रं विनिश्चाह॥ॐ रुद्रं वज्रं रुद्रं यत्तु न हूं॥ॐ क्लाननी मत्त
 क्लाननि हूं॥ॐ वज्रं गच्छ हूं॥ अकृत्य हूं हूं॥ अकृत्य कर्मा वनन वि साधन स्था हूं॥ॐ युगि शान कूट स्था हूं॥ॐ समन रुद्र हूं हूं ॐ १ हूं हूं
 ॥ॐ गुरु वज्रं समय हूं॥ॐ वज्रं क्लानन नाक हूं॥ॐ अरिषि के मां॥ॐ हूं॥ॐ वज्रं क्लानन नाक हूं हूं॥ॐ वज्रं नन द ह्य व म थ ल उ
 हूं हूं॥ॐ वज्रं रुद्र म वन रुद्र स र्वा न स्था हूं॥ॐ हूं १ हूं हूं॥ॐ वज्रं रुद्र हूं॥ॐ वज्रं व हूं॥ॐ वज्रं या ग हूं॥ॐ वज्रं य द क य ठ हूं नि
 ना जी व का मि नू हूं॥ॐ वज्रं सि व ल नू म॥ॐ वज्रं क र्मा हूं॥ॐ वज्रं व ध वं॥ॐ वज्रं व क हूं॥ॐ सर्व वि का य ना क वि रु य ना म न व
 ज व ध ना क ना मि॥ॐ सर्वे न था ग न यू जा य स्त ना या त्मानं नि र्था ग या मि सर्वे न था ग न व ज स त्व अरिषि के धि षि न स्था मां॥ॐ

सर्वे वि नू सर्वे न था ग न यू जा वि षा ना या त्मानं नि र्था ग या मि॥ॐ सर्वे न था ग न ग ध यू जा म ध स मू ड स ल न स म य हूं॥ॐ सर्वे न था
 ग न व ज न ला रि षि के मां॥ॐ सर्वे वि नू स सर्वे न था ग न यू जा य व रु ना य त्मानं नि र्था ग या मि सर्वे न था ग न व ज ध र्मा य व रु य मां॥
 ॐ सर्वे वि नू सर्वे न था ग न व ज क र्मा अ आ त्मा नं नि र्था ग या मि॥ॐ सर्वे वि नू सर्वे न था ग न व ज ध र्मा कू नू य मां॥ॐ सर्वे वि नू यू षा
 यू जा म ध स मू ड स ल न स म य हूं॥ॐ सर्वे वि नू वृ ह्ण यू जा म ध स मू ड स ल न स म य हूं॥ॐ सर्वे वि नू आ ला क यू जा म ध स मू ड स ल न
 स म य हूं॥ॐ सर्वे वि नू ग ध यू जा म ध स मू ड स ल न स म य हूं॥ॐ सर्वे वि नू वा यि ग न हान क्लानन यू जा म ध स मू ड स ल न स म य हूं
 ॥ॐ सर्वे वि नू हा स्य र्था स्य न कि ण सो न्धा नू रु न यू जा म ध स मू ड न स म य हूं॥ॐ सर्वे वि नू व ल लं काल यू जा म ध स मू ड स ल न

दूता

[illegible]

4

द्वाय नमः ॥ ॐ साधनं सर्वपापविनाशनं शुद्धिदं शुद्धसर्वकर्मावननविशुद्धिदा ॥ वज्रवायवकिंज ॥ ॐ नमः ॥
 ॐ नमः ॥ वज्रमूनयधर्मवक्तृवलकं गेधागुक्तं जगत्सर्वसाधयसर्वदुर्गति ॥ नमः ॥ वज्राक्षीयाय धर्मवक्तृसखाव
 नः ॥ सर्वसखहिनाथाय आनन्दयदशका ॥ नमः ॥ नलक्ष्मीयसमगातलरावनेः ॥ गेधागुक्तं ॥ हिनसर्वमलिषकयुदाय
 नः ॥ नमः ॥ यक्षाक्षीयसखाविरावदागः ॥ आस्तासयति सख्यधर्माभूतययनेः ॥ नमः ॥ विष्वाक्षीयसखावकर्तृमनूयि
 त् ॥ विष्वाकर्माकर्ता जगत्सत्त्वानां दूःखज्ञानया ॥ नमः ॥ नलक्ष्मीयगेधाकर्तृवराय यः सर्वसखसमयि रूकः ॥ सदृष्टा
 कनिष्ठानि ॥ नमः ॥ ध्वजक्षीयचिन्तामणिध्वजधनः ॥ दाननसर्वसत्त्वानां सर्वसायनियूनयन ॥ नमः ॥ नीक्षीयकुक्षाय

३०

कृपयदुदनां वरुमानव नरुं सत्ता वाधियायनानमस्तु त्वा कृपय आनय नु कृष्ण लीनं ते वानु कजग सर्वधर्मा नाजलं या
 येन ॥ लाङ्गामालाग थागी नाट त्या दशा वरु प्रयधूयायूया वदी वाव ग बादवीन मास्तु ॥ द्वा नम धास्तिगा दस्य अङ्क शवास्ति
 टका श्रद्धा दसा वनिजाग दानया नन मास्तु ॥ नदी का दोस्तिगाय वरु दानया जगमयिगा दोद श्रास्तिगा वाधिसत्वन
 मास्तु ॥ नैदी का दोस्तिगाय वरु ॥ वरु दानु र्व नू दाये ना कया न वरु दिगी ॥ अग्निना कृसकयू श्रु र्गाधियतिन मास्तु ॥
 उं का नाम स्व सर्वधर्मा नां माय नूत्य लला नू हू हू स हू ॥ उं वज्र रु दारु ॥ उं मून १ म हा मून यस्वा हा ॥ उं न मा सर्व दूग्नि य
 निश्च धन ना जायन था गगाया रु न स म्मा कूं व द्वा य न द्य था ॥ उं सा धन १ वि श्व धन १ सर्व या य वि सा धन सर्व कर्मा व

नन विहा धनि स्वा हा ॥ उं वज्र हू द ट ॥ उं नला रु मगां ॥ उं य धा रु मर्दी ॥ उं वि श्व रु मर् ॥ उं हू धी जि ॥ हू अ नां डी ॥ अ ॥ उं
 सर्व सस्त्र नय नि शु द्ध धम न ग ग ल स म्म न स्य हा व वि शु द्ध म हा न य य नि वा स्वा हा ॥ उं मून १ म हा मून १ य स्वा हा
 ॥ उं न मा सर्व दूग्नि य निश्च धन ना जायन था गगाया रु न स म्मा कूं व द्वा य न द्य था ॥ उं सा धन १ सर्व या य वि सा धन
 न शु द्ध वि शु द्ध सर्व कर्मा व नन वि सा धन स्वा हा ॥ उं सर्व वि न द्वा न स्र दू य हू ॥ उं सर्व वि न व च क हू ॥ उं व ज स म ॥ उं
 हू वं हा ॥ वज्र यू य हू ॥ वज्र यू य हू ॥ वज्र दिय डी ॥ वज्र ग वी हू ॥ उं सर्व न था ग न द्य य यू जा मे घ स म्म ड स्र न न स म य हू
 ॥ उं सर्व न था ग न द्य य यू जा मे घ स म्म ड स्र न न स म य हू ॥ उं सर्व न था ग न दिय यू जा मे घ स म्म ड स्र न न स म य हू ॥ उं स

३३

धनं धनं गन्धर्वयुजामधसमूहसूत्रनसमयहं॥ असमायनासमिलसात्रधर्मनिःकनूत्माकाः जगद्ः खदानना॥ अ
समनसर्वशुभसिद्धिदायन॥ असमायनासमवनाग्रधम्मिनः गगन्समायगगानविशान॥ शुभनसर्वनूकनिकंय
सिमिकासूत्रसस्रधातुवनसिद्धिदाकं॥ विगगायनषू असमनसिद्धिषू॥ शनगाननाकनवगगादिगा॥ यनिधनसि
द्धिवनोनाधधर्माजगगाथसाधनयनासमलिनिसूत्रमिनाचमिमहाकृयात्तनाननित्राधत्तकनूधयानिकायना
गावजगत्तिलाकवनसिद्धिदायका॥ अमितामिनषू समाफितंगगा॥ सगगगनैषुयिअहासधर्मागात्रिसमयाग
सिद्धिवनदादवगुम॥ वनदाननसगतिंगीगगासदासकनगिनाकवसिद्धिदायकासगगात्रियगतिगानावृता॥ ॐ ३

३

आधन २३ कङ्कनिमि॥ ॐ नलनल॥ ॐ अयाद्या॥ ॐ अमृग २३ यू २महायू॥ ॐ सर्वयायदहनवज्रहंरुट्॥ ॐ सर्वयाय
विश्वधनवज्रहंरुट्॥ ॐ सर्वकर्मावनमनिरुस्मि कनूहंरुट्॥ ॐ कुंविनासयवनमनिहंरुट्॥ ॐ इविआधयावनम
निहंरुट्॥ ॐ कन २धक २हन २वनमनिहंरुट्॥ ॐ सन २यसनावनमनिहंरुट्॥ ॐ हन २सर्वावनमनिहंरुट्॥ सर्वाव
नमनिहंरुट्॥ ॐ रुग २सर्वावनमनिहंरुट्॥ ॐ रुवसर्वावनमनिहंरुट्॥ ॐ रुद २सर्वावनमनिहंरुट्॥ ॐ
दह २सर्वननकगतिरुगुनहंरुट्॥ ॐ यव २सर्वधुनगगगुहंरुट्॥ ॐ मथ २सर्वगिर्धुतिनहंरुट्॥ ॐ सर्वयायविआ
धनिधम २धूयय २हंरुट्॥ ॐ सर्वदुर्गतिविआधनियूयाविनाकिनहंरुट्॥ ॐ सर्वायायविआधनीहनावनाककनिहं

हृद॥ॐ सर्वथायगगिनासनिगहं हृद॥ॐ ननकगग्यां कथनि हं हृद॥ॐ सर्वननकात्स्वननि हं हृद॥ॐ सर्वथायविस्तार
 नीहं हृद॥ॐ सर्वथायगगिगहनविनासनीहं हृद॥ॐ हं वं ह॥ॐ रगवनहिमहाकानूकामहृद॥ॐ वून२महायूनः
 अयनिमिनायूयूक्षानसुखयश्चिन्मयकानिमिसाह॥ॐ अमन२अमनारुवअमनसंरुवअमनविक्रानगमिनि
 सर्वकसङ्कयंकनिसाह॥ॐ ककनि२नावनी२गीनावनी२सर्वकमयेनमनामिसर्वसत्त्वानाकेसाह॥ॐ नलनलम
 हानलनलसंरुवनलकिनननलमालावीशुद्धसाधयसर्वथायानहं हृद॥ॐ अमाद्योयगिहगसर्ववननविनासनी
 हन२हं हृद॥ॐ हं वं ह॥ॐ रगवनवज्जुहृदीसमय॥ॐ वज्जसमयहं २॥ॐ यगिद्वुवज्जहं॥ॐ वज्जसमयहं॥ॐ वज्ज

हासाद्यारयसमयहं॥ॐ वज्जहृद॥ॐ वज्जगुरिषिके आः॥ॐ नलारिषिके गां॥ॐ यद्गारिषिके दी॥ॐ कर्मारिषिके अ
 ॥ॐ वज्जारिषिके हं॥ॐ नलकनसारिषिके गां॥ॐ यद्गकनसारिषिके दी॥ॐ कर्मकनसारिषिके अ॥ॐ मालारिषिके गां॥
 ॐ वज्जयदकवलम्बा॥ॐ नारिषिके गां॥ॐ वृद्धमूडारिषिके हं॥ॐ वज्जमूडारिषिके हं॥ॐ नलमूडारिषिके ६गां॥ॐ वज्जमूडारि
 षिके हं॥ॐ नलमूडारिषिके गां॥ॐ यद्गमूडारिषिके दी॥ॐ वज्जकाधियगित्वमरिषिके उं उं उं॥ॐ हं हं॥ॐ गां गां॥ॐ वज्ज
 धानिअरिषिके हं॥ॐ वज्जगथागगारिषिके उं॥ॐ नलधानीअरिषिके गां॥ॐ यद्गधानीअरिषिके दी॥ॐ कर्म
 धानीअरिषिके अ॥ॐ सर्वगथागगुकारिषिके हं॥ॐ वज्जगुकारिषिके हं॥ॐ नलगुकारिषिके गां॥

॥ उं य न गु क्कारि वि के गां ॥ उं क र्म गु क्कारि वि के अ ॥ उं य न गु क्कारि वि के स मा या ग म लि वि के हूं अ ॥ उं व जारि
 वि के हूं आ ॥ उं वे ॥ उं ध ॥ उं वि ॥ उं क ॥ उं व ज स म य हूं ॥ उं व ॥ य नि द्रु ध म हा न मा ॥ उं ॥ उं ॥ उं अ ॥ उं य ॥ के ॥
 उं व ॥ उं य ॥ उं ज ॥ उं आ ॥ उं नु ॥ उं सा ॥ उं अ ॥ उं व ॥ उं व ॥ ॥ उं गु ॥ उं ग ॥ उं न ॥ उं क ॥ उं व ज हूं हूं द ॥ उं व ज ग स
 म य हूं ॥ उं व ज ग ह य नि द्रु हूं ॥ स म य हूं ॥ हूं ॥ हूं ॥ हूं ॥ हूं ॥ उं ह्री ॥ उं हूं ॥ उं हूं ॥ उं हूं ॥ हूं ॥ उं ज ॥ उं ज ॥ हूं व हा ॥ हूं हूं हूं हूं ॥ उं
 रे न वि स्वा हा ॥ उं रा स्वा हा ॥ रु स्वा हा ॥ उं ये स्वा हा ॥ उं ए स्वा हा ॥ उं ऐ स्वा हा ॥ उं ओ स्वा हा ॥ उं उं हूं ॥ उं धी ॥ उं नू ॥ उं व
 ॥ उं गं ॥ उं हूं ॥ उं क ॥ उं ज ॥ हूं व हा ॥ उं य नि द्रु ध म हा स त्वा म्ब ज ध ना क्का य ॥ हूं हूं हूं हूं हूं ॥ उं य न्म र म हा यून अ य नि मि

ना य य न्म ह्म न सं रा ना य नि न स्वा हा ॥ उं ह्री ॥ उं गु स्वा हा ॥ उं क स्वा हा ॥ उं गं स्वा हा ॥ उं हूं स्वा हा ॥ उं अं डी कू गं डी ॥ उं व ज ध न
 न त्र ध न वि द्रु ध न न था ग न स म या नि क र्म न था ग न स म य ध न क्का हूं ॥ उं न था ग य नि द्रु हा ॥ स म य हूं ॥ उं स र्व न था ग ना
 री वि के व ज ध न आ क्का य य नि हूं ॥ उं व ज व क्कारि वि के हूं हूं ॥ उं व ज न ला रि वि के गां ॥ उं व ज वि शारि वि के हूं डी ॥ उं व
 क र्मा वि शारि वि के अ ॥ हूं कं ॥ उं स र्व न था ग क्का न द स्वा मि गृ क्क व ज स मि द्दी य ॥ उं व ज नि द्रु हूं ॥ स र्व क र्मा नि क नू व द्वा
 ना हूं ॥ उं अं हूं व ज नि द्रु नि द्रु हूं ॥ उं हूं ॥ उं व ज हूं हूं ॥ उं हूं व ज हूं ॥ उं व ज हूं स ॥ उं व ज हूं मु ॥ उं य न्म य नि नि ल क नू उ मा यि
 य स्वा हा ॥ हूं हूं ॥ उं व ज हूं हूं स म य य व स य हूं ॥ उं व ज द क हूं ॥ उं हूं ॥ उं व क स म य य न्म मि हूं ॥ हूं कान व ज हूं हूं कान व

६७

वज्राहं॥ उं वज्रसमाजः हं जः हं वं हा॥ समयत्वं समहन॥ हं॥ हं हं हं हं हं हं हं उं वज्रहृत्कृत्तिका वानयसर्वे नलानकीरु
हं॥ उं वज्रहृत्कृत्तिका वानयसर्वे नलानकीरु॥ उं वज्रविश्वकायकनूरसर्वविश्वनययासायायहं हं॥ हं हं हं हं हं॥ गं जी गूः हं गं
कीकः हं हं गं गहिः ४ कीः ४ हं हं हं हं हं हं हं हं॥ ८ ॥ ज की ४ हं हं हं हं वे हं॥ अः अः हं॥ अ॥ हं हं हं हं अ उं वा हं॥ उं
व हं ही वज्र हं॥ उं वज्रयूषा हं॥ उं वज्रगया हं॥ उं वज्रयूथ हं॥ उं वज्रावनाकि न हं॥ उं वज्रसर्वसंग हा वज्रनलमनू
रु नं वज्रधर्म गनायन वज्रकर्मा कनूरुवं॥ अग्रनक्रका कयिन कान २ दहसि ताविनूया कृत्तिका यमायसा हा॥ सर्व
उग्रहयंकन कनूरुसा हा॥ हं हं यः हं हं निविता निविया कृत्तिका हा॥ उं स्व गत्वा स्व स्व सा हा॥ उं कृ वनायसा हा॥ उं रु रु
हं

६८

१ गृ ३ २ हं

रुसिवसा हा॥ उं उं हं वक्रन सा हा॥ उं सूर्या गहाधियनयसा हा॥ उं वेदानक्रगाधियनयसा हा॥ अर्द्धयिथि वा सा हा॥
असूनत्यसा हा॥ उं नागत्यसा हा॥ उं सर्वजा गवीरुमूत्या दयामि सनन समयसा हा॥ वज्रसिद्धो यशसुखमिति॥ उं ग
कृ वज्रसमय हं॥ उं वज्रसमययति आमि॥ उं सूरुनि २ हं॥ उं गृ कृ यय २ हं॥ उं गृ नय हा रगवन विद्या नाऊ हं हं॥ अ
४ अः अः अः हं वज्रावस अशा उं सर्वयायदहन वजायसा हा॥ हं॥ उं अः हं॥ गः की॥ अः ॥ वज्रवस अ॥ उं सूरुनि २॥
उं वज्रसर्वसंग हा॥ उं युगि गृ कामिमर्द समहावन॥ उं वज्रसर्वस्वयनं यच कृ कनूरु हं हं यनलनं॥ उं हं हं यति सा द्वा
आवजवक्रननूरुनं॥ उं वज्राधिवत्तामरिथि येमि हं हा मरुव॥ ज ४ हं ४ वं हा॥ हं व हा॥ हं हं वज्ररिथि ये ॥ हं हं मवा

६७

च हगवाननारुमना शकुवद्भादिदवमानु वासुनम चर्वर्य कृनाकृसादिविसुवा फ॥ यरुगवगा रुधिरु मरुनदः
 निगि॥ ॐ ॥ अर्या सर्वदुर्गुनियनि ल्मावन नाऊन थागन स्या इरुनः समा यं वृद्ध स्या कल्ये कदश समा यः ॥ ॐ ॥
 यध म्माह रु ये रा वाह रु न मान थागनाह वद रु पा ये यानि नाय व वं वा दी महाश्रव तः ॥ ॥ संत २०५ वे शा वमा स श्रु
 य कृयं यमियागिथा यून व सुन कृ प्र शुन जाग रु था क र्म म हा रु शु क वा न स न वृष ना सि ग न स वि रु मि थून ना सि ग न व रु म सि ॥ ३ ॥
 न दिन लिखि नं संयू र्मि ॥ ॥ लिखि न य का वृ म शु य म हा न ग न व जा वा यो वि न मा नं द सिं द न लिखि नं संयू र्मि नि ॥ या इ संयू
 श्र कं इ द्वा ना इ सं लिखि नं म या या दि सु दं म सु दं म्मा सा द्वा नि यं म रु दू ये ॥ ॥ गुरु मङ्गल रु व मु म न स्य स य नि वा न स्या ॥ ॥

१०